गोली से हत्या कर दी गई थी और उनका सामान लूट लिया गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मामले की कोई जांच कराई है; और

(ग) यदि हां, तो जांच के क्या परिणाम निकले हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जमालपुर, किऊल या भागलपुर की रेलवे पुलिस को अब तक इस तरह की घटना की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता।

रेल दुर्घटनाओं की जांच करने के लिये आयोग

1957. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने रेल दुर्घटनाओं की जांच करने के लिये एक आयोग बनाया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उस आयोग ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है ; और

(ग) यदि हां, तो उसमें क्या-क्या मुख्य सिफारिशें की गई हैं ।

रेलवे-मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं । फिर भी भारतीय रेल अधिनियम, 1890 की धारा 4 के अधीन नियुक्त रेलों के निरीक्षक अपने सांविधिक कर्त्तव्यों का पालन करते आ रहे हैं जिसमें रेल दुर्घटनाओं के कारणों की जांच करना शामिल है, विशेषकर उन दुर्घटनाओं की जांच करना जिसमें सवारी ढोने वाली गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त होती हैं और जिसमें जन जीवन की हानि होती है या सख्त चोटें पहुंचती हैं अथवा रेल-सम्पत्ति को गंभीर क्षत्ति पहुंचती है। रेल दुर्घटना समिति 1962 (कुंजरू समिति) की सिफारिशों के अनुसार रेल निरीक्षालय का नाम बदलकर रेल संरक्षा आयोग कर दिया गया है ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर शैड

1958. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अब अनेक रेल गाड़ियां रुकती हैं ;

(ख) यदि हां, तो प्लेटफार्म संख्या 4 और 5 पर शैड बनाने के लिये क्या प्रबन्ध किया गया है; और

(ग) शैड बनाने में कितना समय लगने की सम्भावना है ?

रेलवे-मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां ।

(ख) इन प्लेटफार्मों पर शैड की व्यवस्था करने के प्रस्तावों की जांच की जा रही है ।

(ग) इन प्लेटफार्मों पर शैड लगवाने में कितना समय लगेगा, इस समय इस सम्बन्ध में कुछ बताना सम्भव नहीं है, क्योंकि इस काम की अभी मंजूरी नहीं दी गयी है । यदि रेल उपयोगकर्ता सुविधा समिति इसका अनुमोदन करे और रकम उपलब्ध हो; तो इस काम को भावी निर्माण कार्यक्रमों में शामिल किया जायेगा ।

राजस्थान की खानें जिनसे धातु नहीं निकाले गए

1959. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में कोटा और बूंदी की पहाड़ियों की खानों